

सीएम योगी ने कहा- पीड़ितों के साथ संवेदनशील मायावती ने सरकारी स्कूलों व्यवहार अपनाएं, अवैध कब्जे वाले बख्शे न जाएं के विलय का किया विरोध, कहा- ये फैसला गरीब विरोधी, सरकार वापस ले

बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया



कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। बुधवार सुबह गोरखनाथ

मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वासन दिया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते

हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकारी स्कूलों के विलय का विरोध करते हुए इसे गरीब विरोधी फैसला करार दिया है। उन्होंने सरकार से इसे वापस लेने की अपील की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय को अनुचित और गरीब विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए और अगर नहीं लेती है तो बसपा की सरकार आने पर इस फैसले को निरस्त किया जाएगा। उन्होंने एक्स पर कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के युग्मन/एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया गया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित, गैर-जरूरी एवं गरीब-विरोधी प्रतीत होता है। सरकार से अपील है कि वह अपना युग्मन/एकीकरण का यह फैसला गरीब छात्र-छात्राओं के व्यापक हित में तुरन्त वापस ले। यदि सरकार अपना यह फैसला वापस नहीं लेती है तो फिर हमारी पार्टी इनके



सभी माता-पिता व अभिभावकों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि हमारी पार्टी बसपा की सरकार बनने पर फिर इस फैसले को रद्द करके पुनः प्रदेश में पुरानी व्यवस्था बहाल करेगी। वैसे उम्मीद है कि यूपी सरकार गरीबों व आमजन की शिक्षा के व्यापक हित के मद्देनजर अपने इस फैसले को बदलने के बारे में जरूर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी। रेलवे के टिकट महंगे करने पर केंद्र पर साधा निशाना इसके पहले उन्होंने रेलवे टिकट महंगे करने और बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश लोग महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व कमाई घटने से परेशान हैं। ऐसे में केंद्र सरकार की ओर से रेल का किराया

बढ़ाना जनहित के खिलाफ है। यह संविधान के कल्याणकारी उद्देश्य के बजाय व्यावसायिक सोच वाला फैसला ज्यादा लगता है। सरकार को इस पर तुरंत पुनर्विचार करना चाहिए। देश की आबादी में से लगभग 95 करोड़ लोग सरकार की कम से कम किसी एक सामाजिक कल्याण योजना का लाभार्थी बनने को मजबूर हुए हैं, जिससे ऐसे लाचार व मजबूर लोगों की संख्या अब बढ़ते-बढ़ते 64.3 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जबकि 2016 में यह संख्या करीब 22 प्रतिशत थी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के इन आंकड़ों को भी सरकार अपनी उपलब्धि बता रही है, जो उचित नहीं है। सबको मालूम है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को कितनी परेशानी झेलनी पड़ती है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेशी तस्कर ढेर, मुठभेड़ में जवान घायल

भारत-बांग्लादेश सीमा के पास हुई मुठभेड़ में एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया और एक बीएसएफ जवान घायल हो गया। तस्कर सोने की तस्करी की कोशिश कर रहा था। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास हुई मुठभेड़ में एक बांग्लादेशी तस्कर मारा गया और एक बीएसएफ जवान घायल हो गया। तस्करों के एक समूह ने बीएसएफ जवानों पर हमला किया था। घटना बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के अधिकार क्षेत्र में हलदरपारा सीमा चौकी के पास हुई। अधिकारियों ने बुधवार को सोने की तस्करी के प्रयास की जानकारी के आधार पर बीएसएफकर्मियों की एक टीम को इलाके में तैनात किया गया था। बीएसएफ के अनुसार चार से पांच हथियारबंद बांग्लादेशी तस्करों को नदी पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा गया। उन्होंने बीएसएफ की चेतावनियों को नजरअंदाज किया और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ना जारी रखा। उन्हें रोकने के लिए शुरू में हवाई फायरिंग की गई, लेकिन तस्करों ने एक जवान को घेर लिया और उस पर हथियारों से हमला कर दिया। आत्मरक्षा और उसे बचाने के लिए दूसरे जवान ने गोली चलाई, जो हमलावरों में से एक के पेट के निचले हिस्से में लगी। घायल तस्कर मौके पर ही ढेर हो गया। शेष घुसपैठिए हाथापाई के बाद बांग्लादेश में भाग गए।

पुराने वाहनों को हटाने पर विवाद, आप ने कहा- कार कंपनियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही सरकार

केंद्र सरकार ने 10 वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को सड़कों से हटाने का निर्णय लिया है। दावा है कि इससे अकेले दिल्ली में 62 लाख वाहनों पर असर पड़ेगा। विपक्षी दल इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने 10 वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को सड़कों से हटाने का निर्णय लिया है। दावा है कि इससे अकेले दिल्ली में 62 लाख वाहनों पर असर पड़ेगा। दिल्ली सरकार ने इसे पुरजोर तरीके से लागू करते हुए दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर पुराने वाहनों को ईंधन न देने का आदेश जारी कर दिया है। ऐसे वाहनों को मौके पर जब्त किया जा रहा है। इन वाहनों के मालिकों पर दस हजार का जुर्माना भी किया जा रहा है। जाहिर है कि इससे लोग अपने पुराने वाहनों का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। लोगों को नए वाहनों को खरीदना पड़ेगा और इसका सीधा लाभ कार-मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनियों को होगा। सरकार के इस फैसले से लोगों में नाराजगी है, वहीं सरकार के इस दावे पर विपक्ष ने भी हमलावर रुख अपनाया है। मनीष सिंसोदिया ने बोला हमला आम

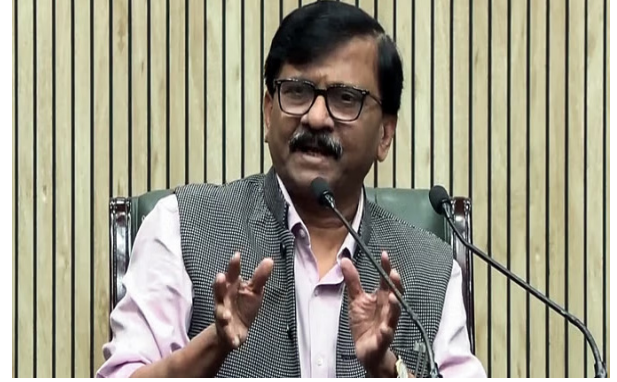


आदमी पार्टी नेता मनीष सिंसोदिया ने बुधवार को कहा कि वाहनों को केवल उनके पुराने होने के आधार पर प्रदूषण पैदा करने वाला करार नहीं दिया जा सकता। यह गाड़ियों की स्थिति पर निर्भर होती है। कई बार उचित देखरेख न होने पर नई गाड़ियों से भी प्रदूषण होने लगता है, वहीं अच्छी देखरेख में रखने पर पुराने वाहन भी प्रदूषण नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कार कंपनियों को जानबूझकर लाभ पहुंचाने के लिए इस तरह का निर्णय लिया है। उन्होंने इसे लोगों के हितों के साथ समझौता बताया।

मनीष सिंसोदिया ने कहा कि सरकार के इस आदेश से दिल्ली की सड़कों से 62 लाख वाहनों को हटना पड़ेगा। इसमें 40 लाख से ज्यादा दो पहिया और 20 लाख चार पहिया वाहन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के गरीब लोग अपने निजी

इस्तेमाल के लिए छोटे-छोटे वाहन रखते हैं। उन्हें पांच-दस किलोमीटर तक की ही यात्रा करनी होती है, लेकिन सरकार के इस आदेश से इन परिवारों पर एक से दस लाख रुपये तक का बोझ डाल दिया है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना ने कहा कि बीजेपी सरकार का यह आदेश निराधार और तर्कहीन है। किसी गाड़ी की उम्र और उसके द्वारा हो रहे प्रदूषण से कोई लेना-देना नहीं है। अगर गाड़ियों को अच्छे से मंटेन किया जाए, तो वे पुरानी होने के बावजूद प्रदूषण नहीं करतीं। गाड़ी पुरानी होने का मतलब यह नहीं कि वह अधिक इस्तेमाल की गई है। कई गाड़ियां सात साल में तीन लाख किलोमीटर चल चुकी होती हैं, जबकि कई 15 साल में भी 50,000 किलोमीटर से ज्यादा नहीं चली हों। ऐसे में सरकार का यह आदेश पूरी तरह गलत है।

भविष्य में भी ऐसी नीति स्वीकार नहीं करेंगे, हिंदी भाषा से जुड़ा आदेश वापस होने पर राउत की दो टूक



महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी भाषा शुरू करने को लेकर बढ़ते विरोध के बाद राज्य सरकार ने त्रिभाषा नीति के दो जीआर (सरकारी आदेश) वापस लेने का फैसला किया था। सरकार ने डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई है, जो यह तय करेगी कि किस कक्षा से कौन-सी भाषा लागू की जाए, कैसे की जाए और छात्रों को क्या विकल्प दिए जाएं। इस पर संजय राउत ने जवाब दिया है। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी भाषा से जुड़े सरकारी आदेश (जीआर) के वापस होने के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि हम भविष्य में भी ऐसी नीति को स्वीकार नहीं करेंगे। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी भाषा शुरू करने को लेकर बढ़ते विरोध के बाद राज्य सरकार ने त्रिभाषा नीति के दो जीआर (सरकारी आदेश) वापस लेने का फैसला किया

था। संजय राउत ने कहा कि फंडणवीस को समितियां और एसआईटी गठित करने का शौक है लेकिन वह कुछ नहीं करते। त्रिभाषा समिति के अध्यक्ष जाधव एक अर्थशास्त्री के तौर पर सम्मानित हैं, लेकिन इस समिति की अब कोई प्रासंगिकता नहीं है। हम भविष्य में भी तीन भाषा नीति को स्वीकार नहीं करेंगे। पांच जुलाई को शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की मनसे के मराठी विजय दिवस समारोह मनाने को लेकर राउत ने कहा कि इस

बाब में दोनों पक्षों के नेता विचार-विमर्श कर रहे हैं। हमने प्रमुख नेताओं और जनता को आमंत्रित किया है। सरकारी आदेश रद्द करने की सफलता मराठी लोगों की है। हम केवल आयोजक हैं। यहां तक कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे और हमारे नेता उद्धव ठाकरे से भी सलाह ली गई है। अब बहुत कम समय बचा है। हम सभी को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित नहीं कर सकते। केंद्र और राज्य सरकार पर साधा निशाना सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप

लगाया कि सरकार ने धन, धमकी, ईडी, सीबीआई और चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर शिवसेना और एनसीपी का बंटवारा कर दिया। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भारत में आतंकवादी गतिविधियों में पाकिस्तान का हाथ होने का पता लगाने में विफल रही है। राउत ने दावा किया कि पिछले तीन महीनों में महाराष्ट्र में 1,000 से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी है? सरकार अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर अपडेट जानकारी ठीक से साझा नहीं कर रही है। दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक को लेकर राउत ने दावा किया कि आरएसएस और भाजपा भाई की तरह हैं। अगर आरएसएस चाहे तो वह भाजपा को सबक सिखा सकता है। आज भाजपा की ताकत आरएसएस कार्यकर्ताओं के प्रयासों के कारण है।

संपादकीय Editorial

Two constitutional issues

Two constitutional issues are debatable and controversial these days. The first is that in 1976, under the 42nd Constitutional Amendment, two words – ‘socialist’ and ‘secular’ – were added to the Preamble of the Constitution. That was the period of emergency, so the Parliament, judiciary and media were in a ‘hostage’ situation. Almost all the big leaders of the opposition were in jail. If we go back to the Constituent Assembly period, there was a wide debate on these words. MPs like Prof. KT Shah and Kamath had demanded to add these words under Article 1 of the Constitution. Dr. Bhimrao Ambedkar, the chairman of the drafting committee of the Constitution, argued that these words are embedded in the soul of the average Indian. These words are mentioned in Article 31. These words are also included in the Directive Principles of State Policy. Keeping them in the Preamble of the Constitution will end the flexibility of democracy. Democracy can also be destroyed, so that proposal was rejected and Baba Ambedkar did not add those two words to the Preamble. After the 1976 constitutional amendment, the BJP-NDA's Vajpayee government was in power for six years and now the Modi government has been in power for 11 years. Apart from these, the Janata Party was also in power during 1977-80. The question is why those words were not removed? When a petition was filed in the Supreme Court in 2020, on which a judicial bench headed by the then Chief Justice Justice Sanjeev Khanna ruled in 2024 that after so many years these words should not be tampered with. The bench also explained 'socialist' and 'secular'. It is a political irony that in the era of 'Mandal vs Kamandal' politics, one word was changed to 'secular' and BJP-supporting politics started being termed as 'communal'. Now Vice President Jagdeep Dhankhar has termed the two words added to the Preamble of the Constitution as 'canker', hence politics has become more toxic. In fact, just before the Bihar assembly elections, RSS Sarkaryavah (General Secretary) Dattatreya Hosabale has heated up this issue and said that the removal of these two words should be considered. The second issue is related to the revision of voter lists by the Election Commission in Bihar. The opposition is making a hue and cry that many names of its vote bank can be deleted from the lists and BJP-supporting names can be added. The opposition has been constantly alleging that the Election Commission had done the same in Maharashtra and Haryana, as a result of which BJP governments were formed. The question is why the intentions of the Election Commission, electoral practices, revision of voter lists etc. are under suspicion during the last 11 years? Why is the current Election Commission accused of being 'BJP-oriented'? Can the Election Commission do so much manipulation that only BJP can form the government, then why and on what basis are there governments of Congress, DMK, Trinamool Congress, JMM and Left parties in many states of the country? The opposition will not give this answer. Under Article 324 of the Constitution, the Election Commission has the privilege of revising and amending the voter lists before conducting the elections. This exercise has been done before every Lok Sabha and Assembly elections. Some arguments of the opposition are valid that the Commission wants to verify the voters registered in Bihar after 2003 and this number is around 5 crores, can this exercise be completed in just 25 days? Of course, more than 98,000 booth level officers will go door-to-door to collect data. This has also been considered as evidence of citizenship eligibility. First, documents and personal data will be collected by going door-to-door, then it will be compiled.

Questions on socialism and secularism: Which one should be considered right? Is my great grandfather's constitution right or my grandmother's?

Vice President Jagdeep Dhankhar said that these two words are an insult to Sanatan. On the other hand, the opposition, which was busy cornering the Modi government on other issues, has shifted from attacking the RSS and the BJP. In a program organized to mark the completion of 50 years of Emergency, RSS General Secretary Dattatreya Hosabale has given a new political twist to the old issue by calling for a reconsideration of the inclusion of the words 'socialist and secular' in the Preamble of the Indian Constitution. Hosabale says that these two words in the Constitution were not a part of the original Constitution created by Dr. Baba Saheb Ambedkar. These were later forcibly added by the then Prime Minister Indira Gandhi. During the Emergency, the fundamental rights of the people and the basic spirit of democracy consideration should be given also said that the preamble of economic idea like 'socialist' is an apology from the Congress to the people. He said that those who came around with a copy of the came from the Sangh, the BJP President Jagdeep Dhankhar Sanatan. On the other hand, the Modi government on other attacking the Sangh and the BJP. Congress MP and Leader of Opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi said that the demand to remove the words 'socialist and secular' from the preamble of the constitution has revealed the real face of the Sangh. The Constitution hurts them because it talks about equality, secularism and justice. They want to abolish the Constitution itself and establish the rule of Manusmriti in the country. We will never let the RSS succeed. The meaning is that the RSS and BJP want to make India a Hindu or Sanatan nation, in which there is no place for secularism. RJD supremo Lalu Yadav, on social media, called the RSS the country's biggest casteist and hate-mongering organization and said that it is the RSS that has demanded a change in the Constitution. What is the real motive behind what Hosabale said? Are the RSS and its political wing really going to change the Preamble of the Constitution? Are they going to declare the country a Hindu or Sanatan nation? If they had to do this, then why did they not do it in the last 11 years? As far as the BJP is concerned, before making this change, it will have to change its own party constitution. Article II objective of the BJP party constitution (English version 2012) clearly states "the party shall bear true faith and allegiance to the constitution of India as by law established and to the principles of socialism, secularism and democracy, unity and integrity of India." Despite the overwhelming support for the statement of the RSS leader, this does not seem to be possible immediately. Actually, even after the Emergency was lifted in the country, attempts were made to return the Constitution to its original form. During the rule of Janata Party, the then Prime Minister Morarji Desai made a lot of efforts to remove these two words, but failed. Because there was no consensus on this. The matter reached the Supreme Court. The court clearly said that these 'two words are now an integral part of the Preamble of the Constitution' and no change can be made in the basic structure of the Constitution. Former CJI K.G. Balakrishnan even said that the word 'socialist' in the Constitution does not mean only communist ideology but welfare state, which is expected in a democracy. But it is also true that these words were not there in the Preamble of Babasaheb Ambedkar's original Constitution and the first Prime Minister and person to implement it was Rahul Gandhi's great grandfather Pandit Jawaharlal Nehru. Earlier, there was a debate on this in the Constituent Assembly as well. Prof. who represented Bihar. K.T.Shah strongly proposed the amendment in the Constituent Assembly in November 1948 that “India shall be a Secular, Federal, Socialist Union of States.” But Dr. Bhimrao Baba Saheb Ambedkar, the chairman of the drafting committee of the Constituent Assembly, rejected it saying that ‘secularism’ is inherent in the structure of the Constitution. Therefore, mentioning it separately in the Preamble of the Constitution is ‘excessive and unnecessary’. He meant that when the Constitution guarantees social, economic and political justice to all citizens, freedom of expression and worship, equality of opportunities and fraternity ensuring the sovereignty of the nation, then the spirit of ‘socialism’ and ‘secularism’ is automatically inherent in it. It is true that this change in the Preamble of the Constitution was made in 1976, when emergency was imposed in the country. Fundamental and judicial rights were suspended. For constitutional amendment, a two-third majority in both the houses and approval of the legislative assemblies of at least half of the states of the country is necessary. The 42nd amendment bill to add new words in the constitution was presented in the Parliament by the then law minister H.R. Gokhale. At that time, Congress had 352 MPs in the Lok Sabha and almost the entire opposition was in jail. This bill was passed in the Lok Sabha with a two-third majority. Only five MPs opposed it. Or was it? Similarly, it was passed in the Rajya Sabha as well. Under this amendment, the words 'Sovereign Democratic Republic' (Sovereign, Democratic Republic) were replaced by 'Sovereign Socialist Secular Democratic Republic' (Sovereign Socialist Secular Republic) in the Preamble of the Constitution. Also, 'Unity of the Nation' was replaced by 'Unity and Integrity of the Nation' (Unity and Integrity of the Nation). No one had any objection to the third change. Now the question is, what kind of disaster had befallen during the Emergency that it became necessary to include these two words? Was the mass movement against Mrs Gandhi's government considered a threat of 'anarchy' or were these two words used as a shield to save the government? In the eyes of the communists, it was necessary to include these values ??(words) to fulfill the goal of establishing an exploitation-free world. If we consider this to be the result of the threat posed by nationalist and Hindutva organisations like the Sangh and the BJP, then the then Jana Sangh (now BJP) had only 22 seats in the Lok Sabha and its vote share was a mere 7.35 per cent. The main influence in the opposition was of those parties which believed in communist and socialist ideology and were able to maintain their political ground even without the mention of the words ‘socialist’ and ‘secular’ in the Constitution (it is a different matter that after this amendment their political ground kept slipping and parties like the so-called regressive BJP kept getting stronger). Then what was the compulsion or commitment behind adding these two words that it became inevitable to make the sentiment which was already clear in the Constitution more clear? The question is also that till the time these words were not mentioned in the Constitution, was the country not ‘socialist’ (all the policies of Nehru were socialist and Mrs Gandhi was also following the same path) and ‘secular’? And will the country not remain secular if these words are removed? Can the state and religion be separated in India like milk and water on the lines of western and communist countries? Were these words added with the intention of moving towards an exploitation-free world and under the pressure of the leftists or was it just a political demand that without filling the maang, a bride is not considered a married woman? Congress has been accusing the Sangh and the BJP of tampering with the Constitution. But if adding or changing something in the basic structure of the Constitution is not tampering, then how is removing it tampering? It is also being said that by removing these two words, the path to justice for the Dalits and the exploited will be closed, whereas in the preamble it has been very clearly said about social, political justice and equality of opportunities for all and this is immutable. The political echo of what Hosabale said is going to go far. In such a situation, whether the BJP and the Sangh change the preamble of the Constitution or not, but the Congress is going to face the most difficulty, which had successfully cashed in on the issue of changing the Constitution in the Lok Sabha. If the matter gets further complicated, Rahul Gandhi will face the problem of whether he should consider Baba Saheb's original constitution to be correct or the later constitution with the revised preamble to be justified? Or should we say that Rahul Gandhi should consider his great grandfather's constitution to be correct or his grandmother's constitution to be correct? It is also true that the Sangh and BJP are advocates of Hindu Rashtra. But the definition of this Hindu Rashtra is also different. One is that the entire nation should be officially declared a Hindu nation. The second is that India has inherent Hindu Rashtra, so the importance of the word secular is only formal, as some Congress leaders also believe. The third option is the constitution of some of India's neighboring countries, in many of which, along with 'secularism', the religion of the majority has been given 'special status'. In Nepal's constitution (2015), even after the state is declared secular, there is a guarantee of following the 'ancient religious and cultural tradition. Whereas in Article 9 of Sri Lanka's constitution, everyone has the freedom to follow their own religion, but Buddhism is 'supreme'. In Bhutan, Buddhism is the official religion and others are free to follow their own religions. There is no state religion in Myanmar, but Buddhism has a 'special status'. Pakistan is a declared Islamic state. But there is freedom to follow other religions. In Bangladesh too, while declaring Islam as the main religion in the 1972 constitution, secularism has also been included in the basic principles. Whereas in communist China, there is no official religion. There is freedom to follow religion individually. By the way, there are mainly five religions in China. The first is Confucianism, the second is Taoism, the third is Buddhism, the fourth is Christianity and the fifth is Islam. Will there really be a fundamental change in the constitution, if yes, then when and how, or is it just political show-off, it is still unclear. For the time being, it seems that by raising the issue of returning the constitution to its original form, Hosabale has put the ball in the D of the opposition, who are trying to save themselves along with counterattacking.



Minister Mrs. Indira Gandhi due to the country and the suspension of the judicial citizens. Since these were included against and the Constitution, now serious to removing them from the Preamble. He the constitution is eternal, but a political-temporary. Not only this, he also demanded for this 'crime'. Hosabale took a dig at were involved in this are today roaming Constitution in their hands. Since this idea leaders also immediately supported it. Vice said that these two words are an insult to the opposition, which was busy cornering issues, turned away from that and started

जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मुरादाबाद-हरिद्वार कावड़ मार्ग का किया निरीक्षण , कावड़ यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश।

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल ने मुरादाबाद-हरिद्वार मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हरथला, शेरुआ चौराहा, अगवानपुर, कैच की पुलिसिया, पर पहुंचकर जरूरी स्थानों पर प्रकाश और यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तृत अधिकारियों को चिन्हित स्थलों पर लिए निर्देशित किया। ,उन्होंने तथा छजलैट में चैराहे पर प्रकाश व्यवस्था ,जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के कावड़ मार्ग पर ढीले विद्युत तारों को खुले में ट्रांसफार्मर रखे हैं तो उनकी किनारे विद्युत पोल पर करंट की दिक्कत ऊंचाई तक पॉलीथिन से कवर कराएं। भराव की समस्या नहीं आनी चाहिए तैयारियां पूर्ण कर लें। कावड़ यात्रियों हो इसलिए संबंधित विभाग विकास खंड छजलैट के ग्राम शेरपुर विद्यालय भी पहुंचे। छालय पहुंचकर की और विद्यालय परिसर के निरीक्षण कराने को लेकर संबंधित सचिव एवं अवसर पर एसडीएम कांट श्री संतदास चौराहा, अगवानपुर, कैच की पुलिसिया, पर पहुंचकर जरूरी स्थानों पर प्रकाश और यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तृत अधिकारियों को चिन्हित स्थलों पर लिए निर्देशित किया। ,उन्होंने तथा छजलैट में चैराहे पर प्रकाश व्यवस्था ,जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के कावड़ मार्ग पर ढीले विद्युत तारों को खुले में ट्रांसफार्मर रखे हैं तो उनकी किनारे विद्युत पोल पर करंट की दिक्कत ऊंचाई तक पॉलीथिन से कवर कराएं। भराव की समस्या नहीं आनी चाहिए तैयारियां पूर्ण कर लें। कावड़ यात्रियों हो इसलिए संबंधित विभाग विकास खंड छजलैट के ग्राम शेरपुर विद्यालय भी पहुंचे। छालय पहुंचकर की और विद्यालय परिसर के निरीक्षण कराने को लेकर संबंधित सचिव एवं अवसर पर एसडीएम कांट श्री संतदास

जिले में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एसएसयूएसई) के संबंध में विकास भवन में स्थित बापू सभागार में 09 जुलाई तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का ने मुख्य विकास अधिकारी साथ शुभारंभ किया। संबोधित करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण योजना के बहुत अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारण एवं बेरोजगारी के बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्मिकों को निर्देश दिए कि संग्रह करें। आवधिक श्रम बल स्थिति का आकलन कराने के भारत सरकार द्वारा कराया जाता कुमार सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रदेश की बनाए जाने के उद्देश्य से कृषि, महत्वपूर्ण क्षेत्रों से आंकड़ों का सत्र आयोजित किया जा रहा 2025 से जून 2026 के मध्य घरेलू उत्पाद का आकलन लेबर फोर्स सर्वे एक बहुत ही संख्या प्रभाग द्वारा कराया जा

रोजगार बेरोजगारी के विभिन्न संकेतकों का आकलन जनपद स्तर पर किया जाएगा तथा सर्वेक्षक द्वारा सर्वेक्षण के पश्चात प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार जनपद की लेबर फोर्स की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी। 03 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे से मुरादाबाद में पंचायत भवन के सभागार में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड मुरादाबाद, छजलैट, भगतपुर टांडा एवं मूढ़ापांडे की विकासखंड स्तरीय खरीद उत्पादकता गोष्ठी तथा नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय तिलहन मेला का आयोजन किया जाएगा। उपनिदेशक कृषि श्री संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस कार्यक्रम में कृषकों को कृषि के साथ विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक चर्चा, उन्नत कृषि तकनीकी एवं अद्यतन कृषि विधियों की जानकारी के साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी।



श्रम बल सर्वेक्षण के संबंध में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंडलायुक्त ने किया शुभारंभ।

जिले में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और अनिगमित क्षेत्र के उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एसएसयूएसई) के संबंध में विकास भवन में स्थित बापू सभागार में 09 जुलाई तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का ने मुख्य विकास अधिकारी साथ शुभारंभ किया। संबोधित करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण योजना के बहुत अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारण एवं बेरोजगारी के बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्मिकों को निर्देश दिए कि संग्रह करें। आवधिक श्रम बल स्थिति का आकलन कराने के भारत सरकार द्वारा कराया जाता कुमार सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रदेश की बनाए जाने के उद्देश्य से कृषि, महत्वपूर्ण क्षेत्रों से आंकड़ों का सत्र आयोजित किया जा रहा 2025 से जून 2026 के मध्य घरेलू उत्पाद का आकलन लेबर फोर्स सर्वे एक बहुत ही संख्या प्रभाग द्वारा कराया जा

रोजगार बेरोजगारी के विभिन्न संकेतकों का आकलन जनपद स्तर पर किया जाएगा तथा सर्वेक्षक द्वारा सर्वेक्षण के पश्चात प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार जनपद की लेबर फोर्स की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी। 03 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे से मुरादाबाद में पंचायत भवन के सभागार में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड मुरादाबाद, छजलैट, भगतपुर टांडा एवं मूढ़ापांडे की विकासखंड स्तरीय खरीद उत्पादकता गोष्ठी तथा नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय तिलहन मेला का आयोजन किया जाएगा। उपनिदेशक कृषि श्री संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस कार्यक्रम में कृषकों को कृषि के साथ विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक चर्चा, उन्नत कृषि तकनीकी एवं अद्यतन कृषि विधियों की जानकारी के साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी।

जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू, जिलाधिकारी ने जागरूकता रैली को रवाना करके की शुरुआत।

पूरे माह चलेगा अभियान, 11 जुलाई से घर- घर जाकर जागरूक करेंगी आशाएं और आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां। 01 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने जिला चिकित्सालय परिसर से जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर की। जनपद स्तर पर आयोजित जन जागरूकता रैली जिला चिकित्सालय से शुरू होकर कंपनी बाग में सम्पन्न हुई। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर रैलियों का आयोजन करके लोगों को संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने लोगों को संचारी रोगों से बचाव हेतु सावधानी बरतने के लिए शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि पूरे माह स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, आईसीडीएस, कृषि, उद्यान और खाद्य सुरक्षा सहित विभिन्न विभाग अपने स्तर से जागरूकता गतिविधियां आयोजित करेंगे। इन सभी विभागों द्वारा की जाने वाली दैनिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग स्वास्थ्य विभाग द्वारा कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाएगी। अभियान को सफल बनाने में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका है वे 11 जुलाई से शुरू हो रहे दस्तक अभियान के दौरान सक्रिय रहकर घर घर जाकर लोगों को संक्रामक बीमारियों के लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करेंगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।



अमेरिकी कंपनी के नाम पर ठगी, युवक से 3.20 लाख रुपये हड़पे एसएसपी के आदेश पर थाना सिविल लाइंस पुलिस ने तीन के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

मुरादाबाद- कंपनी को अच्छे सुझाव (रिब्यू) और फाइव स्टार रेटिंग देने के बदले रुपये देने का झांसा देकर एक युवक से ठगी कर ली गई। थाना सिविल लाइंस पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ लाइंस क्षेत्र की निवासी मनीष पत्र में बताया कि नाम की एक अमेरिकी कहा कि अगर रेटिंग और सकारात्मक सुझाव देगा तो हर उत्पाद के बदले 50 से 200 रुपये तक दिए जाएंगे। शुरुआत में दो बार उसे 5-5 हजार रुपये दिए गए, जिससे वह भरोसे में आ गया। बाद में उसे टेलीग्राम पर पाथ फॉर एवरीवन नामक ग्रुप में जोड़ा गया, जिसमें 66 सदस्य शामिल थे। बाद में उसे दो वेबसाइट के जरिये कई योजनाओं में शामिल किया गया और अधिक रुपये कमाने का लालच दिया गया। इसके बाद मनीष से बीती 15 जून और 17 जून को कुल 3,20,870 रुपये चार अलग-अलग खातों में जमा कराए गए। पीड़ित के अनुसार मीरा मोहन, पूजा और विनेश नाम के तीन लोगों ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से रकम जमा कराने का दबाव बनाया तो उसे ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने एसएसपी से कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। थाना सिविल लाइंस के प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल नंबर और बैंक खातों के आधार पर ठगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।



संक्षिप्त समाचार

अवैध हथियार के साथ वायरल हुआ फोटो पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

रामपुर – थाना टाण्डा पुलिस द्वारा दिनांक 02.07.25 को एक आरोपी नाबाली पुत्र नबाव जान नि0 ग्राम सूरजपुर था ना टाण्डा, रामपुर को थाना टांडा क्षेत्र के ग्राम भुक्कनपुरी रोड कच्चा रास्ता बन्द पड़े भट्टे की कोठरी से एक अदद नाजायज बन्दक 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। बताया गया है इस पर कई मुकदमे दर्ज है और पहले भी जेल जा चुका है और इसका एक साथी फरार हैं मामले में मु0अ0सं0 311/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया है

संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरी महिला की मौत

अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान पहुंची पुलिस, पोस्टमार्टम कराया

मुरादाबाद- संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला सोमवार की रात छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। मंगलवार दोपहर परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कंजरी सराय निवासी सुनील की पत्नी आकांक्षा गुप्ता बीते सोमवार की रात लगभग 11 बजे बेटे के साथ मकान की तीसरी मंजिल की छत पर थी। तभी सुनील ने बेटे को फोन कर बाइक लेकर बुला लिया। छत पर आकांक्षा गुप्ता रह गई। तभी वह संदिग्ध परिस्थितियों में तीसरी मंजिल से गली में आकर गिर गई। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए। पति भी पहुंच गए। परिवार के लोग महिला को उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर गए। जहां से हालत गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे कांट रोड स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। यहां से भी महिला को रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजन दिल्ली रोड स्थित एक निजी अस्पताल में लेकर जा रहे थे, लेकिन आकांक्षा गुप्ता ने रात लगभग एक बजे दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर घर आ गए। मंगलवार दोपहर शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही थी। तभी किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। जानकारी पर सीओ सुनीता दहिया कोतवाली पुलिस के साथ पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि महिला का शायद पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गई। इस मामले में कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है। जांच कराई जा रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिसिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक – नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एसओजी और पुलिस ने 6 तस्करों को नैनीताल हाइवे पर गैस पाइप में दबोचा , 3.5 करोड़ का माल बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच –पं सत्यमशर्मा

बरेली। मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसते हुए इज्जतनगर पुलिस और एसओजी टीम ने



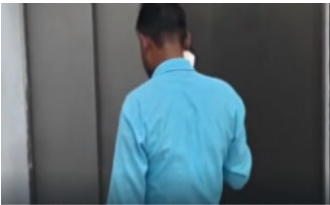
बुधवार को बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने रेलवे रोड नंबर 5 स्थित पुराने खंडहर पर दबिश देकर स्मैक तैयार कर रहे गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस दौरान मौके से छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3 किलो 526 ग्राम स्मैक, 1.46 लाख रुपये नकद, दो वाहन और स्मैक बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। एसपी सिटी मानुष पारीक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में अधिकांश फतेहगंज पश्चिमी और सीबीगंज थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने मणिपुर से कच्चा माल मंगवाकर स्मैक तैयार करने और उसे आसपास के जिलों में बेचने की बात स्वीकार की है। इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार इज्जतनगर पुलिस और एसओजी की टीम ने अकरम पुत्र बाबू निवासी नई बस्ती फतेहगंज पश्चिमी, आसिफ पुत्र अख्तर निवासी बार्ड-13 नई बस्ती फतेहगंज पश्चिमी, हारून पुत्र हबीबुल्ला निवासी तिलियापुर सीबीगंज, जावेद पुत्र अनीस मिया निवासी अंसारी बार्ड-09 फतेहगंज पश्चिमी, राशिद पुत्र असलम निवासी अंसारी बार्ड-07 फतेहगंज पश्चिमी, आदेश तिवारी पुत्र सत्यप्रकाश निवासी ग्राम मनकरी फतेहगंज पश्चिमी को गिरफ्तार किया है।

एक दिन पहले संचालित लिफ्ट

ठप सीएमओ सहित 10 अधिकारी फंस

क्यूँ न लिखूँ सच –अरविंद कुमार

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत संचालित जिला महिला



अस्पताल की लिफ्ट में बुधवार को एक बड़ी तकनीकी चूक सामने आई। इस लिफ्ट में सीएमओ डॉ. आलोक शर्मा, सीएमएस राजेश कुमार और सामाजिक वानिकी के डीएफओ भरत कुमार डीके समेत करीब 10 लोग अचानक फंस गए। यह घटना उस समय हुई जब सभी पहले तल से तीसरे तल की ओर जा रहे थे। लिफ्ट के अचानक रुक जाने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। स्थिति को समझते हुए तत्काल टेक्नीशियन को बुलाया गया, जिसने करीब सात मिनट की मशक़त के बाद लिफ्ट को चालू किया। जैसे ही अधिकारी बाहर निकले, सभी ने राहत की सांस ली। जानकारी के मुताबिक यह लिफ्ट सिर्फ एक दिन पहले ही शुरू की गई थी और इसका ट्रायल अभी जारी है। सीएमएस राजेश कुमार ने बताया कि लिफ्ट में तकनीकी खराबी के चलते लॉकिंग की समस्या आ गई थी। जब तक पूरी तरह से तकनीकी जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक मरीजों और तीमारदारों से लिफ्ट का इस्तेमाल न करने की अपील की गई है। सीएमओ और सीएमएस ने लिफ्ट की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई है। उन्होंने तुरंत लिफ्ट को सही करने के निर्देश दिए हैं। एक दिन पहले शुरू हुई लिफ्ट में वरिष्ठ अधिकारियों का फंसना कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है। अब सवाल उठने लगे हैं कि बिना पूरी जांच और सुरक्षा ट्रायल के लिफ्ट को संचालन में कैसे लाया गया। संबंधित विभाग से मामले की जांच की मांग उठ रही है।

साइबर ठगों से बचाने को लेकर पुलिस एवं सामाजिक संस्था ने किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच –पं सत्यमशर्मा

बरेली। बरेली। थाना हाफिजगंज के गांव ग्रेम में बुधवार को



बरेली ने ग्रामीण महिलाओं, बालिकाओं एवं पुरुषों को साइबर अपराध से बचाव के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारीयां देते हुए जागरूक किया। उन्होंने बैंक की ओटीपी किसी के साथ भी साझा न करने तथा मोबाइल पर कोई अधिकारी बनकर कॉल आएँ और बैंक की जानकारी मांगे या गलत काम करने पर बचने के लिए रुपये डालने को कहे तो उसके झांसे में बिल्कुल न आएँ। यह सब साइबर ठगों की चाल होती है। सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है।

अपना प्रदेश

लगी भयंकर आग , हड़कंप मचा

दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंचीं मौके पर

क्यूँ न लिखूँ सच –पं सत्यमशर्मा

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब



नैनीताल हाइवे के में अचानक भीषण इतनी तेजी से में उसने विकराल सूचना मिलते ही कई गाड़ियां मौके पर काबू पाने का एहतियातन हाइवे गया, जिससे कुछ पर जाम की जानकारी के अनुसार नैनीताल हाइवे के किनारे गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा था। काम के लिए भारी मात्रा में पाइपों को सड़क किनारे स्टोर किया गया था। इन्हीं पाइपों में आग लग गई जिससे लाखों रुपये का नुकसान हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और प्रशासन की टीमों मौके पर हैं और जांच जारी है।

किनारे रखे गैस पाइप आग लग गई। आग फैली कि कुछ ही पलों रूप धारण कर लिया। दमकल विभाग की पर पहुंचीं और आग प्रयास शुरू कर दिया। का ट्रैफिक रोक दिया समय के लिए सड़क स्थिति बन गई।

मूलचंद धर्मशाला बनेगी हैरिटेज होटल डीएम ऑफिस से

मांगे गए जमीन के कागज

क्यूँ न लिखूँ सच –अरविंद कुमार

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत शहर में स्थित कुछ और प्राचीन धरोहरों को जीवनदान मिलने की उम्मीद जागी है। राज्य पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने पीलीभीत में कुछ धरोहरों को संरक्षित करने को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय से राजस्व के अभिलेख मांगे हैं। वहीं एक टीला ऐसे भी है जिसे व्यावसायिक खनन के लिए इतना इस्तेमाल किया गया कि वह अब संरक्षित करने योग्य भी नहीं रह गया है। पीलीभीत का नाम आते ही हर कोई यहां स्थित टाइगर रिजर्व के बारे में सोचता है। लेकिन पीलीभीत प्राकृतिक सम्पदा के साथ ही साथ खासा ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। पीलीभीत शहर के सामाजिक कार्यकर्ता शिवम कश्यप लंबे समय से ज़िले के ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने की कवायद में जुटे हुए हैं। शिवम के प्रयासों से बीते साल राज्य पुरात्व सर्वेक्षण विभाग की टीमों ने जिले के शाहगढ़ में स्थित टीले पर तो वहीं इस साल बिलई खेड़ा व शहर स्थित मूलचंद धर्मशाला का स्थलीय निरीक्षण किया था, लेकिन स्थलीय निरीक्षण के बाद पुरातात्विक महत्व होने के बावजूद भी मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। हाल ही में राज्य पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ओर से शाहगढ़ के टीले, मूलचंद धर्मशाला को संरक्षित करने के लिहाज से जिला प्रशासन से राजस्व अभिलेख मांगे हैं। चूंकि बिलई खेड़ा के बीच से राजमार्ग का निर्माण कराया जा रहा है, ऐसे में उसे संरक्षित करने करना मुश्किल होगा। पीलीभीत में रेलवे स्टेशन चौराहे के पास 100 साल से अधिक पुरानी मूलचंद धर्मशाला है। यह इमारत अंग्रेजों के समय की बनी हुई है लेकिन अभी भी काफी मजबूत है। सूत्रों के अनुसार मूलचंद धर्मशाला को हैरिटेज होटल बनाने की कवायद शुरू हो गई है। शहर के बीचोंबीच खास निर्माणशैली से बनी इस धर्मशाला का अपना स्तबा रहा है। इस पर जड़ित शिलापट्ट पर लिखा है कि यह वर्ष 1914 के समय की है। जब देश आजाद भी नहीं हुआ था। मेस्टन धर्मशाला और लाला मूलचंद का नाम शिलापट्ट पर साफ तौर पर पढ़ा और देखा जा सकता है। रेलवे स्टेशन और प्राइम लोकेशन पर होने के कारण इसकी अलग ही महत्ता है। साथ ही इसकी बसावट को लेकर भी अलग अलग मत है। मूलचंद धर्मशाला की निर्माण शैली ऐसी है कि यहां बिना पंखें में अधिक गरमी का भी अहसास नहीं होता है। ब्रिटिश काल में यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन चौराहे के समीप एक धर्मशाला का निर्माण किया गया था। जिसे मूलचंद धर्मशाला के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में इस धरोहर की भी स्थिति बदहाल है। इस धरोहर को संरक्षित कर हैरिटेज होटल बनाए जाने की मांग कई सालों से की जा रही है। ऐसे में राज्य पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ओर से इस धर्मशाला से संबंधित अभिलेख भी मांगे गए हैं।

पीटीआर के बाघ मित्र देंगे महाराष्ट्र के स्थानीय वॉलेंटियर्स को ट्रेनिंग

क्यूँ न लिखूँ सच –अरविंद कुमार

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के ‘बाघ मित्र’ अब सिर्फ जंगल के रखवाले नहीं रहे, बल्कि देशभर के लिए एक मिसाल बन चुके हैं। अब महाराष्ट्र का ताडोबा अंधेरी टाइगर रिजर्व भी पीलीभीत मॉडल को अपनाने जा रहा है?। इस सिलसिले में 5 जुलाई को पीलीभीत से 20 बाघ मित्रों का दल वहां जा रहा है, जो स्थानीय वॉलेंटियर्स को ट्रेनिंग देगा और जंगलों में बाघ-संरक्षण व मानव-बाघ संघर्ष को नियंत्रित करने के अपने अनुभव साझा करेगा। बाघ मित्र योजना की शुरुआत 2019 में ड़्हुब्रुख (विश्व प्रकृति निधि) ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व में एक प्रयोग के तौर पर की थी। इसका मकसद था बाघों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीणों को जागरूक कर मानव-बाघ संघर्ष को कम करना। ये प्रयोग इतना सफल रहा कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अपने ‘मन की बात’ कार्यक्रम में सराहा?। अब यह मॉडल दूसरे राज्यों में भी फैल रहा है। कुछ दिन पहले ही पीलीभीत के बाघ मित्रों ने बिजनौर के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व और उत्तराखंड की नंधौर वाइल्डलाइफ सेंचुरी में भी अपनी ट्रेनिंग दी थी? इसके बाद अब महाराष्ट्र सरकार भी इस मॉडल से प्रभावित होकर ताडोबा अंधेरी टाइगर रिजर्व में इसे लागू करने की तैयारी कर रही है। महिला व पुरुषों वाले इस बाघ मित्र प्रोजेक्ट की खास बात है कि बिना किसी पारिश्रमिक के संबंधित गांवों के युवा और जागरूक ग्रामीण मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए काम कर रहे हैं। इसके बदले में पीटीआर केवल इन बाघ मित्रों को प्रोत्साहित कर खास किट मुहैया कराता है। समय-समय पर इन बाघ मित्रों को स्तरीय मंच पर सम्मानित किया जाता है। इंसानियत और जीवन को बचाने के लिए बाघ मित्र निःशुल्क काम कर अपनी उपयोगिता लगातार साबित कर रहे हैं। इससे बाघ मित्र प्रोजेक्ट पहले ही लोकप्रिय हो चुका है। तंजानिया और कीनिया आदि देशों के फारेस्ट सर्विस के प्रतिनिधियों ने तक यहां आकर बाघ मित्र प्रोजेक्ट को समझा था। इसके बाद रणथंभौर के वन्यजीव अधिकारी व विशेषज्ञ पीलीभीत आए थे। बाघ मित्रों को इस प्रोजेक्ट को अकल्पनीय बताते हुए सेवा भाव का अद्वितीय प्रमाण बताया था। पीलीभीत के बाघ मित्र प्रोजेक्ट को इस कदर सराहना मिली कि बाघ-तेंदुओं की सुरक्षा एवं निगरानी के मायने से मुफ्तीद पाते हुए इसे दक्षिणी खीरी वन प्रभाग, उत्तरी खीरी वन प्रभाग (दुधवा टाइगर रिजर्व का बफर एरिया), कतरनियाघाट वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में लागू किया जा चुका है। बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में भी इस मॉडल से प्रोत्साहित होकर जंगल वालंटियर्स रखे गए हैं। इन सभी को भी पीलीभीत के बाघ मित्रों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि बाघ मित्रों की वजह से जंगल का सूचना तंत्र बेहद मजबूत हुआ है। किसी भी गतिविधि की खबर तुरंत अधिकारियों तक पहुंच जाती है। इससे न सिर्फ बाघों की सुरक्षा होती है बल्कि गांवों में रहने वाले लोगों को भी जागरूक किया जाता है। 2014 में जब पीलीभीत को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था, तब यहां बाघों की संख्या बढ़ रही थी, लेकिन साथ ही मानव-बाघ संघर्ष भी चिंता का विषय बनता जा रहा था। तब ड़्हुब्रुख ने स्थानीय युवाओं को जोड़कर ‘बाघ मित्र’ मॉडल शुरू किया, जिसमें उन्हें जंगल और बाघों की समझ दी गई, ग्रामीणों से संवाद सिखाया गया और बाघों की गतिविधियों पर नजर रखने की ट्रेनिंग दी गई। ड़्हुब्रुख परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि अब ताडोबा के जंगलों में भी यही मॉडल लागू किया जाएगा। 5 जुलाई को 20 बाघ मित्र वहां जाएंगे और 4 दिन की ट्रेनिंग में अपने अनुभव, तरीके और मॉनिटरिंग की तकनीक साझा करेंगे।



प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आवारा कुत्तों ने दो बच्चों पर हमला कर किया घायल

क्यूँ न लिखूँ सच –पं सत्यमशर्मा

बरेली। कुत्तों का आतंक इन दिनों एक बार फिर बढ़ चुका है।

खास तौर से बुजुर्गों और बच्चों को आवारा कुत्ते निशाना बना रहे हैं। इज्जतनगर और किला क्षेत्र में अलग-अलग हुई दो



घटनाओं के बाद लोगों में आक्रोश फैला है। दरअसल बुधवार की सुबह दो अलग अलग जगहों पर कुत्तों ने हमला करके दो बच्चों को घायल कर दिया। पहली घटना इज्जतनगर के रहपुरा चौधरी में हुई। 4 साल का फरमान घर के बाहर दरवाजे पर खड़ा था। तभी अचानक से कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। वही दूसरी घटना किला क्षेत्र के दूल्हा मिर्या मजार के पास हुई। 4 साल का शान अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी अचानक से उस पर कुत्तों ने हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छात्रों ने पूर्व छात्रों का जन्मदिन

पौधरोपण कर मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच –पं सत्यमशर्मा

बरेली छ पर्व्यावरण संरक्षण गतिविधि,बरेली की ओर से बुधवार

को पूर्व छात्रो हमारे साथी विवेक मिश्रा का आज जन्म दिवस पौधारोपण कर मनाया गयाछ श्री गुलाब राय इंटर कॉलेज



बरेली मे पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गयाछ कार्यक्रम मे प्रधानाचार्य एसपी पांडे,मणिकांत शर्मा, निहाल,आलोक सिंह चौहान, प्रेम शंकर, अनुराग अग्रवाल, पवन अरोड़ा, पुत्तन सक्सेना, ललित मौर्य, अमर प्रकाश शर्मा, अनिल शर्मा,आदि उपस्थित रहेछ पर्यावरण संरक्षण गतिविधि महानगर सहसंयोजक मनोज बाजपेई व भूतपूर्व छात्रों ने संकल्प लिया कि प्रत्येक वर्ष जगह-जगह पधारोपण समय-समय पर करते रहेंगेछ जिस विद्यालय में जाएंगेछ वहां के छात्र छात्राएं पौधों की देखभाल भी करेंगेछ और छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करेंगे

टनकपुर साप्ताहिक समर स्पेशल गाड़ी का मार्ग विस्तार अछनेरा तक

क्यूँ न लिखूँ सच –पं सत्यमशर्मा

बरेली। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में होने वाली यात्रियों/पर्यटकों की अतिरिक्त भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए 05062/05061 टनकपुर-मथुरा जंक्शन-टनकपुर साप्ताहिक समर स्पेशल गाड़ी का मार्ग विस्तार अछनेरा तक कर दिया गया है। इन गाड़ियों का संचालन 3 जुलाई, 2025 से 31 जुलाई, 2025 तक सप्ताह में प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार एवं 21निवार को होगा। गाड़ियों का संचालन निम्नलिखित समय-सारणी से किया जायेगा। टनकपुर-अछनेरा साप्ताहिक समर स्पेशल गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे, खटीमा से 05.00 बजे, पीलीभीत से 05.32 बजे, भोजीपुरा से 06.05 बजे, इज्जतनगर से 06.22 बजे, बरेली सिटी से 06.45 बजे, बरेली जंक्शन से 06.57 बजे, बदायूँ से 07.40 बजे, उझानी से 07.53 बजे, सोरोशूकर क्षेत्र से 08.20 बजे, कासगंज से 09.00 बजे, सिकंदराराव से 09.24 बजे, हाथरस सिटी से 10.05 बजे, मथुरा छावनी से 11.12 बजे तथा मथुरा जंक्शन से 11.40 बजे प्रस्थान कर अछनेरा 12.30 पहुँचेंगी। जबकि उसी दिन वापसी में 05061 अछनेरा-टनकपुर साप्ताहिक समर स्पेशल गाड़ी अछनेरा से 15.50 बजे, मथुरा जंक्शन से 16.45 बजे, मथुरा छावनी से 16.57 बजे, हाथरस सिटी से 17.28 बजे, सिकंदराराव से 17.55 बजे, कासगंज से 18.40 बजे, सोरोशूकर क्षेत्र से 18.55 बजे, उझानी से 19.22 बजे, बदायूँ से 19.35 बजे, बरेली जंक्शन से 20.37 बजे, बरेली सिटी से 21.00 बजे, इज्जतनगर से 21.20 बजे, भोजीपुरा से 21.38 बजे, पीलीभीत से 22.15 बजे तथा खटीमा से 22.50 बजे प्रस्थान कर टनकपुर 23.35 बजे पहुँचेंगी।

बौद्ध परंपरा से चुने जाएंगे अगले दलाई लामा, चीन की न होगी भूमिका; ड्रैगन ने कहा- फैसला हम करेंगे

बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सिर्फ गादेन फोडरंग ट्रस्ट के पास बौद्ध परंपराओं के आधार पर अगले दलाई लामा को मान्यता देने का अधिकार है।चीन के अगला दलाई लामा चुनने के दावों के बीच 14वें तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु दलाई इंटरलॉकिंग गड्डे में तब्दील



क्यूँ न लिखूँ सच अरविन्द कुमार यादव श्रावस्ती । विकास खंड जमुनहा के ग्राम पंचायत देवरनिया के बरगदही गांव में बनी इंटरलाकिंग रोड कई जगह उखड़ गई है। वहीं बरसात होने पर पानी भर जाता है जिससे लोगों को आने जाने में काफी कठिनाई होती है। बरसात होने पर मोटरसाइकिल से चलना दुंभर हो जाता है। कई बार गिर भी चूके है जबकि जिम्मेदार अधिकारी अंजान बने बैठे हुए है। गांव के लोगों ने खंड विकास अधिकारी जमुनहा से इस इंटरलॉकिंग रोड को नई सिरे से बनवाने की मांग की है।

स्वास्थ्य उपकेंद्र खावा कला के चहर दिवारी गिरने से बालिका का पैर टूटा

क्यूँ न लिखूँ सच प्रेमचंद जायसवाल श्रावस्ती/ विकास खण्ड जमुनहा के अंतर्गत बना उप स्वास्थ्य केंद्र खावा कला के चहर दिवारी 5 वर्ष पूर्व बनाई गई थी । जो बरसात होने के कारण गिर गई और वही पर खेल रही मासूम बालिका कुमारी मोहनी आयु 10 वर्ष पुत्री धर्म राज वर्मा जिसका पैर चहर दिवारी के नीचे दब गया और बालिका का बायां पैर टूट गया है । परिजनों का आरोप है कि मानक विहीन चहर दिवारी बनाई गई थी जो गिरकर धरा साई हो गई । जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं। क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा



जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

लामा तेनजिन ग्यात्सो उर्फ ल्हामा थोंडुप ने स्पष्ट कि उनके उत्तराधिकारी के रूप में 15वें दलाई लामा का चयन 600 साल पुरानी बौद्ध परंपराओं के आधार पर होगा। इसका फैसला उनका ट्रस्ट गादेन फोडरंग ही करेगा, इसमें चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। अपने 90वें जन्मदिन से चार दिन पहले शुरू हुए तिब्बती धार्मिक सम्मेलन में यह बयान देकर दलाई लामा ने इस अनिश्चितता को समाप्त कर दिया कि उनके बाद उनका कोई उत्तराधिकारी होगा या नहीं। साथ ही अपने बयान से चीन के साथ नए सिरे से टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सिर्फ गादेन फोडरंग ट्रस्ट के पास बौद्ध परंपराओं के आधार पर अगले दलाई लामा को मान्यता देने का अधिकार है। इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे दुनिया के अन्य हिस्सों में रहने वाले तिब्बतियों और तिब्बती बौद्धों से विभिन्न चैनलों के माध्यम से संदेश मिले हैं, जिसमें अनुरोध किया गया है कि दलाई लामा की संस्था को जारी रखा जाना चाहिए। इसके बाद मैं पुष्टि करता हूँ कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी। उन्होंने कहा, गादेन फोडरंग ट्रस्ट, तिब्बती बौद्ध परंपराओं

के विभिन्न प्रमुखों और दलाई लामाओं की वंशावली से अभिन्न रूप से जुड़े और शपथ लेने वाले विश्वसनीय धर्म रक्षकों से परामर्श करेगा। परंपरा के अनुसार खोज और पहचान की प्रक्रिया को पूरा करेगा। चीन में पैदा हुआ व्यक्ति नहीं हो सकता उत्तराधिकारी दलाई लामा ने कहा कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा हुआ होना चाहिए। उन्होंने अपने अनुयायियों से बीजिंग से चुने गए किसी भी व्यक्ति को अस्वीकार करने का आग्रह किया। दलाई लामा के 90वें जन्मदिन का जश्न 30 जून को धर्मशाला के पास मैकलॉडगंज के मुख्य मंदिर सुगलागखांग में शुरू हुआ। वहीं, चीन जो ल्हामा थोंडुप को अलगाववादी मानता है, ने कहा था कि बीजिंग सदियों पुरानी रस्म के माध्यम से उत्तराधिकारी की पहचान को मंजूरी देगा। क्या है दलाई लामा चुने जाने की प्रक्रिया तिब्बती परंपरा में माना जाता है कि एक वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु की आत्मा उसकी मृत्यु के बाद एक बच्चे के शरीर में पुनर्जन्म लेती है।



अनुसार 6 जुलाई, 1935 को वर्तमान किंगडि प्रांत के एक किसान परिवार में लामो थोंडुप के रूप में जन्मे 14वें दलाई लामा की पहचान ऐसे ही एक पुनर्जन्म के रूप में तब हुई थी, जब उनकी उम्र महज दो साल थी। हमारा फैसला ही होगा मान्य = चीन बीजिंग। चीन ने दलाई लामा को उत्तराधिकार योजना को खारिज कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि किसी भी भावी उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी मिलनी चाहिए। इस तरह तिब्बती बौद्ध धर्म के चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के साथ दशकों से चले आ रहे संघर्ष में एक नया अध्याय जुड़ गया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, दलाई लामा के उत्तराधिकारी को धार्मिक परंपराओं और कानूनों के अनुरूप घरेलू मान्यता, स्वर्ण कलश प्रक्रिया और चीनी

सरकार के अनुमोदन के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। दलाई लामा ने 1959 में कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत में अपने उच्च-स्तरीय दलबदल के बाद दुनिया का ध्यान आकर्षित किया था। तब से उन्होंने धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। तिब्बती स्वायत्तता के लिए संघर्ष को उनके उत्तराधिकारी को जारी रखना पड़ सकता है। अमेरिका ने कहा-चीन बंद करे हस्तक्षेप बीजिंग ने फिर दोहराया कि दलाई लामा के पुनर्जन्म को मंजूरी देनी होगी और यह चीन में सदियों पुराने अनुष्ठान के माध्यम से किया जाना चाहिए। उधर अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह चीन से उत्तराधिकार में हस्तक्षेप बंद करने और धर्म की स्वतंत्रता का सम्मान करने का आह्वान करना जारी रखेगा। चीन के चुने उत्तराधिकारी को कभी स्वीकार नहीं करेगा तिब्बत पेंपा शेयरिंग

दलाई लामा के उनके उत्तराधिकारी के फैसले में चीन के लिए कोई भूमिका नहीं छोड़ने के बाद तिब्बत के राष्ट्रपति पेंपा शेयरिंग सिक्थोंग ने कहा कि तिब्बत के लोग राजनीतिक लाभ के लिए चीन के चुने उत्तराधिकारी को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि तिब्बत के अंदर और बाहर के तिब्बतियों ने राष्ट्रीय एकता बनाए रखने और दलाई लामा की महान इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए पूरे दिल से सहयोग का प्रण किया है। चीनी सरकार तिब्बती भाषा और धर्म को निशाना बनाकर तिब्बती पहचान को मिटाने की साजिश के तहत काम कर रही है जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमेरिका ने तिब्बत के लिए रोकी मदद को फिर किया बहाल = शेयरिंग तिब्बती सरकार ने कहा कि अमेरिका ने निर्वासित तिब्बतियों के लिए मदद में कटौती को वापस ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी परियोजनाओं के लिए 70 लाख डॉलर की मदद करने का फैसला लिया है। जनवरी में सत्ता संभालते ही ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका प्रथम मुहिम के तहत तिब्बत को विदेशी मदद में कटौती शुरू कर दी थी।

अयोध्या में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के घर पर सीबीआई छापा, 15 घंटे चली जांच; इलाके में मचा हड़कंप

मीडिया सूत्रों के अनुसार जांच टीम ने शिक्षक, उनके पिता व परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में संपत्ति से संबंधित जांच की।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने बुधवार को शहर के एक टीम ने लगभग 15 घंटे तक रुककर के इलाके में हलचल मची रही। सामने स्थित बूजरानी कुंज में रूढ़ौली संतोष झा का मकान है। उनके पिता गुलाब बाड़ी में कार्यरत थे। उनके होने की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार की टीम उनके घर पहुंची और इस्पेक्टर केके सिंह, एक महिला घंटे की जांच के बाद शाम चार बजे पुलिस को फोन करके बुलाया। इस अंदर सीबीआई की टीम जांच करती दौरान परिसर व आसपास के इलाकों



टीम ने शिक्षक, उनके पिता व परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में संपत्ति से संबंधित जांच की। भ्रष्टाचार निवारण संगठन में एक केस दर्ज होने की जानकारी भी मिली है। हालांकि, जांच टीम ने मीडिया से दूरी बनाए रखा और कुछ भी जानकारी देने से इंकार किया। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें नहीं है। जांच टीम के बुलाने पर शांति व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए वह गए थे। बी-फार्मा में फर्जी दाखिला कराने का है मामला सूत्रों के अनुसार बी-फार्मा की फर्जी डिग्री देने के मामले में सीबीआई की एंटी करप्शन टीम जांच करने आई है। दिल्ली सीबीआई एंटी करप्शन सेल में इसकी शिकायत हुई थी। इसके पीछे दिल्ली की एक संस्था का नाम भी सामने आया है, जो फर्जी तरीके से एडमिशन करवा रही थी। संस्था के चेयरपर्सन पर भी मुकदमा दर्ज हुआ है।

प्रयागराज की घटना पर बसपा की नजर, आकाश आनंद ने पहले किया था आगाह; दलित युवाओं पर दर्ज हुई हैं FIR

सांसद चन्द्रशेखर आजाद को नजरबंद किए जाने के मामले में हुई हिंसा पर बसपा की नजरें हैं। इस मामले में कई दलित युवाओं पर एफआईआर हुई थी प्रयागराज में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष के विरोध में भड़की हिंसा के बाद पर बहुजन समाज पार्टी की नजरें हैं। की मदद के साथ आजाद समाज पार्टी है।पार्टी सूत्रों की मानें तो हिंसा के बसपा के जोनल कोआर्डिनेटर, साथ रहे हैं। इनमें से तमाम युवा मौके को निर्दोष बता रहे हैं। पार्टी नेता इसकी से बात कर उन्हें न्याय दिलाने की को भी इस कवायद में शामिल किया हाईकमान तक भी पहुंच चुकी है, की रणनीति बनाई जा रही है।आकाश दौरान आकाश आनंद ने चंद्रशेखर का आपको गुमराह कर खुद को मसीहा कराता है। आप लोगों के खिलाफ केस दर्ज हो जाते हैं। अगर एक युवा के ऊपर केस दर्ज हो गया तो उसे नौकरी और पढ़ने लिखने में दिक्कत होगी। आपकी बाद में कोई मदद भी नहीं करेगा। बढ़ती जा रही तलखी बता दें कि बसपा नेताओं और चंद्रशेखर आजाद के बीच बीते दिनों हुई बयानबाजी से तलखी बढ़ती जा रही है। चंद्रशेखर ने आकाश आनंद को जनता द्वारा नकारे जाने का बयान दिया तो मायावती ने पलटवार करते हुए उन्हें बरसाती मेढ़क बता दिया। अब इस मामले में बसपा सियासी नफा-नुकसान भांप कर कदम बढ़ा रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि आजाद समाज पार्टी की घेराबंदी का यह सबसे मुफीद मौका है।



चंद्रशेखर आजाद को नजरबंद किए जाने दलित युवाओं पर दर्ज किए गये मुकदमों बसपा इस मामले में फंसे निर्दोष युवाओं की घेराबंदी करने की रणनीति बना रही बाद दर्ज मुकदमों में नामजद तमाम युवा जिलाध्यक्ष समेत स्थानीय नेताओं से संपर्क पर मौजूद नहीं होने का दावा कर खुद पुष्टि करने के बाद पुलिस अधिकारियों कवायद में जुटे हैं।वहीं कुछ अधिवक्ताओं गया है। इस प्रकरण की जानकारी पार्टी जिसके बाद निर्दोषों को राहत दिलाने कर चुके हैं आगाह लोकसभा चुनाव के नाम लिए बगैर बयान दिया था कि वह बताता है। गुस्सा दिलाकर धरना प्रदर्शन

संक्षिप्त समाचार अपना दल एस ने बाकी नेताओं पर कार्रवाई की तैयारी की, प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम योगी को लिखा पत्र

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सीएम को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने और ल ग ा त ा र की वजह से इन्हें ही पार्टी से निकाल था।अपना दल निष्कासित बागी खुलेआम मोर्चा अब पार्टी भी इनके मैदान में आ गई करीब तीन साल पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सीएम को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने और लगातार अनुशासनहीनता की वजह से इन्हें तीन साल पहले ही पार्टी से निकाल दिया गया था।इसके बावजूद पार्टी को विश्वास में लिए बिना ही दोबारा मोनिका आर्या को अपर शासकीय अधिकार और बौद्ध अरविंद पटेल पूर्वांचल विकास बोर्ड में सदस्य नामित कर दिया गया। पत्र में लिखा गया है कि गठबंधन धर्म का सम्मान करते हुए अपना दल (एस) कोटे से मोनिका आर्या और बौद्ध अरविंद पटेल को दिए गए सरकारी पदों से हटा दिया जाए। ताकि गठबंधन के तहत पार्टी के कोटे से नए कार्यकर्ताओं को नामित कराया जा सके।

दामाद ने चाकू से गोदकर की सास-ससुर की हत्या ,पत्नी से चल रहा था विवाद; आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ में एक दामाद ने चाकुओं से गोदकर सास और ससुर की हत्या कर दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।लखनऊ के आ ल म बा ग थाना क्षेत्र में बुधवार की रात एक दामाद ने अपने सास और ससुर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि उस युवक का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। वह व्यक्ति बातचीत के लिए ससुराल गया हुआ था। अचानक से बातचीत के दौरान गर्मा-गर्मी ने उसने चाकू निकालकर दोनों पर हमला कर दिया। इस हमले से सास और ससुर दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते वक्त उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राप्त सूचना के अनुसार सास और ससुर दोनों ही बुजुर्ग थे। इस घटना में सास आशा देवी जिनकी उम्र 73 वर्ष और ससुर जिनकी उम्र 75 वर्ष की मौत हो गई। दामाद जगदीप सिंह ने हत्या को अंजाम देने के बाद भागने की कोशिश की। स्थानीय लोगों के द्वारा उसे पकड़ लिया गया।

कर्ज से परेशान बुजुर्ग ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट बरामद; बताई साहूकार की कहानी... कितने वसूल चुका

आत्महत्या से पहले उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी परेशानियों का जिक्र किया।दिलीप विहार कॉलोनी निवासी बुजुर्ग अजेन्द्र ने कर्ज के बोझ से तंग आकर बुधवार को आत्महत्या कर ली। वह दिल्ली पुलिस में तैनात सिपाही विशाल के पिता थे। आत्महत्या से पहले उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी परेशानियों का जिक्र किया।परिजनों के अनुसार, करीब तीन साल पहले अजेन्द्र ने एक प्लॉट खरीदने के लिए एक व्यक्ति से दो लाख रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि साहूकार अब तक उनसे 12 लाख रुपये तक वसूल चुका है, और फिर भी लगातार दबाव बना रहा था। परिजनों का आरोप है कि अत्यधिक मानसिक तनाव और लगातार हो रही प्रताड़ना के कारण अजेन्द्र ने यह आत्मघाती कदम उठाया। उधर घटना की सूचना पर गौरव बड़ौत समेत नगर के अन्य गणमान्य व्यक्ति व पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सुसाइड नोट भी बरामद कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक दिल्ली पुलिस के सिपाही विशाल का पिता था



अनुशासनहीनता तीन साल पहले दिया गया (एस) से नेताओं द्वारा खोलने के बाद खिलाफ खुलकर है। निष्कासन के बाद पार्टी ने चौधरी ब्रजेंद्र सिंह पटेल और बौद्ध अरविंद पटेल के खिलाफ कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जाटव आरपी गौतम की ओर से बुधवार को लिखे गए इस पत्र में ब्रजेंद्र की पत्नी को अपर शासकीय अधिकार और बौद्ध को पूर्वांचल विकास बोर्ड में सदस्य पद से हटाने की मांग की है। इन दोनों को यह पद अपना दल (एस) कोटे से दिया गया था।मंगलवार को ही बागी नेताओं ने अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल और कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल के खिलाफ खुलेआम मोर्चा खोलते हुए तमाम आरोप लगाए थे। नेताओं ने अपना मोर्चा नाम से एक नए संगठन का एलान करते हुए असली अपना दल होने का दावा भी किया था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सीएम को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने और लगातार अनुशासनहीनता की वजह से इन्हें तीन साल पहले ही पार्टी से निकाल दिया गया था।इसके बावजूद पार्टी को विश्वास में लिए बिना ही दोबारा मोनिका आर्या को अपर शासकीय अधिकार और बौद्ध अरविंद पटेल पूर्वांचल विकास बोर्ड में सदस्य नामित कर दिया गया। पत्र में लिखा गया है कि गठबंधन धर्म का सम्मान करते हुए अपना दल (एस) कोटे से मोनिका आर्या और बौद्ध अरविंद पटेल को दिए गए सरकारी पदों से हटा दिया जाए। ताकि गठबंधन के तहत पार्टी के कोटे से नए कार्यकर्ताओं को नामित कराया जा सके।

Make protein-rich Chole-Paneer Paratha for breakfast, best option for gym goers

There is no shortage of food items in India and they are also beneficial for our health. Nowadays the problem of weight gain is common, to get rid of which people go to the gym or diet. We are going to tell you the recipe of Chole and Paneer weight. Here in India, you will not find any shortage of to sweet dishes. These also work to benefit our health in become the most common. Actually, the problem of obesity by sitting. In such a situation, people go to the gym and a hefty amount. Some people also follow different types best for those who go to the gym. Yes, we are going to tell Its taste is also very amazing. It will also strengthen the weight. If you eat it daily for breakfast, then hunger will day. Let's know about the easy recipe of Chole Paneer Paratha Wheat flour two cups for dough Salt half Paneer 250 grams grated Equal amount of boiled Kashmiri red chili Half teaspoon garam masala Half to taste Ghee or oil Recipe for making Chole Paneer large vessel and knead a soft dough. Now keep the dough Now take grated paneer in a large bowl. Mash the chole garam masala, dry mango powder and salt and mix everything well. Now make equal sized balls from the dough. After this, take one ball and roll it lightly. Place two spoons of stuffing in the middle. Now join the edges and close the dough and roll it lightly. After this, place the paratha on a hot pan and apply ghee or oil on both sides and fry till it becomes golden and crispy. Your protein-rich chole paneer paratha is ready. Serve it hot with green chutney.



Paratha which is rich in protein and helps in reducing food items. There are thousands of options here from spicy many ways. In today's time, the problem of weight gain has is being seen in people due to working continuously for hours sweat for hours to get rid of it. For this, they also have to pay of diets. Today we are going to tell you a recipe which will be you the recipe of protein-rich chickpea and paneer paratha. metabolism. Along with this, it will also make it easier to lose also be controlled and you will feel energetic throughout the Paratha in detail- Ingredients for making Chole Paneer teaspoon oil One tablespoon water for kneading For stuffing chickpeas Green chili two finely chopped green coriander teaspoon dry mango powder Half teaspoon salt according Paratha To make it, you have to mix flour, salt and oil in a covered for at least 20 minutes so that the dough sets well. in it. After this, add green chili, green coriander, red chili, Your protein-rich chole paneer paratha is ready. Serve it hot with green chutney.

If your nail polish has dried up, don't make the mistake of throwing it away; you can use it again with these 4 ways

Makeup plays an important role in the fashion world, especially for girls. Just as kajal, lipstick and bindi are considered important for makeup, nail polish is also important in the same way. If your nail polish has dried up, don't worry. There are some easy ways beauty of our hands and feet. Many times it dries up, which makes one of the best outfits for women. Whenever fashion is talked go out of the house without makeup. From kajal, lipstick your beauty. Let us tell you that most girls like to apply nail paint with every dress. In such a situation, they be used and they dry up completely. There can be with you? If yes, then now you do not need to give you some such tips, by which you will be able about those tips in detail - Use hot water If your vessel. The water should be lukewarm. Put the out and shake it well. This will enable you to use the the mistake of keeping nail polish in the fridge, then causes clots to form in it. Try to keep them in the room at you can also use thinner to reuse the dried nail polish. Put two Do this for at least two minutes. Keep it in the sun You can also nail polish on the roof for at least half an hour. This will remove its thickness in a



by which you can use it again. All girls like to apply nail polish. It enhances the it difficult to use. The world of fashion is very big. In this field, you will find about, makeup is also mentioned along with outfits. Girls do not even to bindi, all these enhance your look. They work to add beauty to nail paint (also called nail polish). They like to apply matching buy a lot of nail polish together. Many times they cannot even many reasons behind their drying. Does the same happen worry. Our article today is also on this topic. We are going to to easily reuse the dried or thickened nail paint. Let us know nail paint has dried up, then you have to heat water in a dried nail polish in it for at least 20 minutes. After this, take it nail polish again. Do not store in the fridge If you also make avoid doing so now. Actually, keeping nail polish in the fridge normal temperature. Thinner will also be useful Let us tell you that to three drops of thinner in the nail polish and rub it between your palms. keep the thickened nail polish in the sun. If the sun is strong, then keep the short time. You will be able to use it again.

You must have also said 'Ladies First', but have you ever wondered where this trend came from? The story is interesting

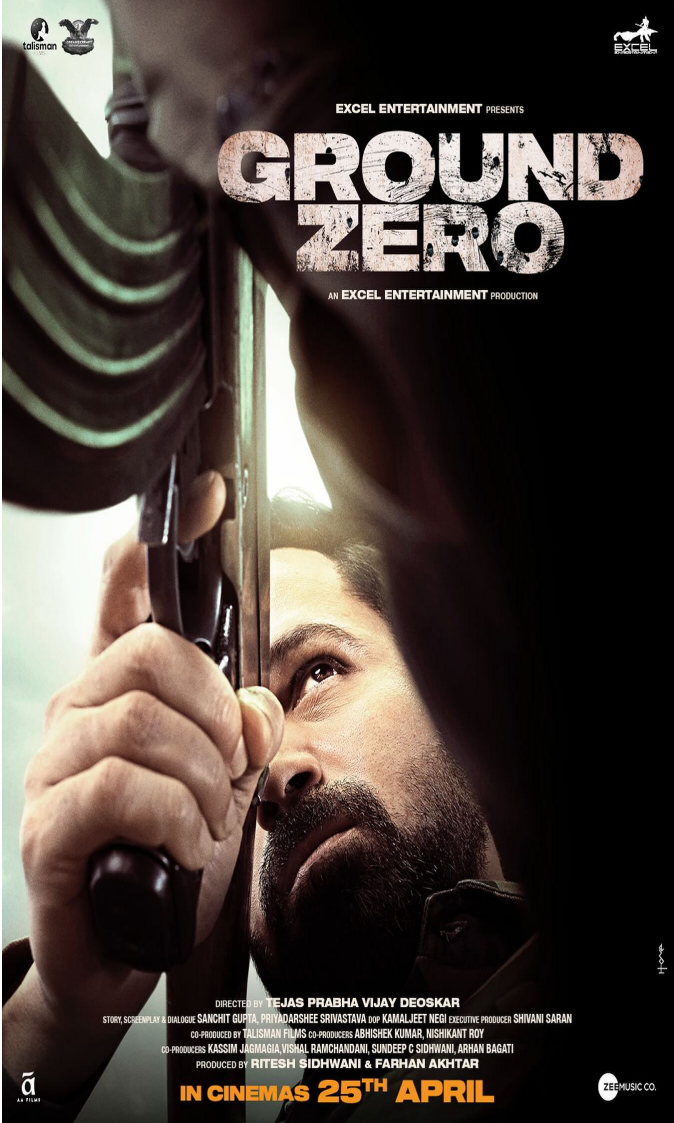
Ladies First Often you must have heard people say Ladies First, which means Europe where women were given respect. The history now, then definitely read this article. Why is that a woman should be given a place first. or women 'Ladies First'. Its direct place first. In parties or any public the door. Someone pulls a chair, while standing in line to come forward. in the lift that the boy lets the girl hearing all this every day. But trend of saying Ladies First trend of saying Ladies First is centuries old. Its roots are Rich families of Europe. were given special respect. respect them. The today. Today, even though shoulder to shoulder with continuing somewhere. thinking has changed a bit. history yet, then you must going to tell you about where First started. Let's know in started from Europe According magazine, the tradition of saying old Europe. At that time, the rich women should be respected. During considered delicate and special. For beginning, men were taught to open them walk ahead or give them a chair to sit. This tradition did not mean at all that women are weak. It was just a special way to give them respect and love. History is also related to Titanic In 1912, when the Titanic ship was sinking, during that time too, instructions were given to take out 'Ladies and Children First' first. This also strengthens the thinking of Ladies First. Let us tell you that after the Titanic incident, it was accepted on an even larger scale. There is also a saying that the trend of Ladies First came from the caves of Germany. It is said that whenever any animal came, the men living in the cave would send the women forward, after which they would attack from behind. Kapil Sharma also said this Kapil Sharma also once mentioned in his show that whenever girls are born, they are considered to be the form of Lakshmi. That is why it is said Ladies First everywhere. Because we know that if girls start any new work then it is always successful. While mentioning the Chandrayaan team, he said that most of the girls were a part of the team and they won.



giving priority to women. This tradition started from the rich families of of Ladies First is centuries old. If you did not know about it till Ladies First said? Its history is centuries old. It means Often you must have heard people saying to girls meaning is that they should be given a place, any man goes ahead and opens in a public place, he asks the women Apart from this, you must have seen go first. We have been seeing and have you ever wondered where the started? Let us tell you that the not new, but its history is connected to the Royal and During that time, women Men were also taught to tradition continues even women are walking men, but this tradition is still Although its method and If you did not know its read this article. We are the trend of saying Ladies detail - The tradition to a report of a famous Ladies First started from people there believed that that time, women were this reason, from the the door for women, let

The fate of this flop film changed as soon as it came on OTT, got included in the top list

This year most of the Bollywood films have been successful. But some movies also flopped on the big screen. This also includes the name of a veteran actor's film. The special thing is that the fate of the movie has changed as soon as it knocked on OTT. Let us know on which OTT platform this film can be enjoyed. This film of the year 2025 flopped in theaters The fate of the movie changed as soon as it came on OTT. The film made a place in the list of top films. The year 2025 has proved to be lucky for most of the big star films. At the same time, the story of some stars' movies was not liked on the big screen. Today we are talking about a film which proved to be a flop at the box office, but when the movie knocked on OTT, it got immense love. Let us know on which OTT platform you can watch this film. People prefer to watch films and series on OTT platforms. Especially those movies are also watched on OTT, for which they do not feel like going to the theater. This is the reason that after coming on OTT, series and movies get immense love from the people. Emraan Hashmi's film got love on OTT Bollywood's romantic hero Emraan Hashmi has worked in many great films in his career. This year his famous film Ground Zero was released, in which he appeared in the role of a soldier. The story of the film is based on the life of BSF officer Narendra Nath Dhar Dubey and Emraan played his role in the film. Fans reached theaters to watch the film in the initial days, but after some time it faced a lack of audience. What is the story of Ground Zero film? The story of the Emraan Hashmi starrer film is set in Srinagar. Its very first scene starts with a horrific incident. In the beginning of the film, it is shown that Narendra Nath has an encounter with terrorists. There is a big twist in the story of the film, when Jaish-e-Mohammed's chief Ghazi Baba plots to kill many soldiers and is successful in it. Ghazi Baba attacks the Parliament House in Delhi. The intelligence team is also not successful in locating this terrorist, but Narendra Nath finds out his whereabouts and he gets information that Ghazi Baba is hiding in Srinagar itself. You will get to see the further story in the film, how Emraan Hashmi's character attacks Ghazi Baba's hideout. The special thing is that during the climax of this film, you will not even get time to blink. The film Ground Zero is trending on Amazon Prime Video The film was released on the OTT platform Amazon Prime Video on June 20 and it became a hit as soon as it came. After knocking on OTT, the movie made it to the top 10 list and this movie is ruling at number three.



Ibrahim Ali Khan will romance this star kid after Sarzameen, shooting of romantic movie will start after 4 months

Ibrahim Ali Khan will soon be seen in Sarzameen. After the patriotic film, the actor will once again be seen working in a romantic film. In this film, he will share the screen with a famous Bollywood star kid. Know about this film. Ibrahim Ali Khan got another romantic movie Ibrahim will romance a star kid after Sarzameen Ibrahim Ali Khan will start shooting after 4 months Saif Ali Khan and Amrita Singh's son Ibrahim Ali Khan is once again preparing to become a romantic hero. He will be seen romancing a famous Bollywood star kid. Amidst the buzz of Sarzameen, an update has come out about his upcoming film. Ibrahim Ali Khan started his acting career this year following the footsteps of his parents and sister Sara Ali Khan. His first film is the rom-com Naadaaniyaan in which he shared the screen with Boney Kapoor's daughter Khushi Kapoor. Now he is going to romance a star kid again. Ibrahim's pairing with Rasha will be perfect According to the report of Mid-Day, another romantic film has come in Ibrahim Ali Khan's account in which the star kid he is going to work with is none other than 'Azad' actress Rasha Thadani. Ibrahim and Rasha have also signed the film and now both are preparing for it. Right now both are doing reading sessions and workshops. Shooting can start in October According to reports, the makers do not want to show Rasha Thadani and Ibrahim as a glamorous couple in this love story, rather they want to show a chemistry between them that the audience can relate to. The shooting of the film is expected to start in October this year. It is being said that its shooting will end early next year. At present, the name of the director has not been revealed nor has it been officially announced. In such a situation, we do not confirm it. Ibrahim Ali Khan will become a villain While the actor walks the path of becoming a hero at the beginning of his career, Ibrahim is going to become a villain soon after doing his first debut film. The teaser of his upcoming film Sarzameen is out and in it the actor has surprised everyone with his character. The Prithviraj Sukumaran and Kajol starrer movie will be released on Jio Hotstar on July 25. After Sarzameen, Ibrahim also has another film Diler in the lineup in which Srileela will be seen.



Mallika Sherawat's shocking statement came after Shefali Jariwala Death, said - without botox...

Shefali Jariwala Died Actress Shefali Jariwala has recently passed away, due to which there is a sensation in the film industry. Everyone is shocked by Shefali's death at the age of 42. Meanwhile, Bollywood actress Mallika Sherawat has given a shocking statement. Shefali died at the age of 42 Mallika Sherawat gave this statement Shefali was undergoing anti-aging treatment The matter of Shefali Jariwala's death is currently a topic of discussion in the film industry. Shefali's sudden death due to cardiac arrest has shocked everyone. Amidst all this, the issue of cosmetic artificial surgery and anti-aging treatment has also heated up. Regarding which, now B Town actress Mallika Sherawat has given a shocking statement. In which she has openly discussed treatments like botox and fillers and has also made a big appeal to the people. Mallika's statement after Shefali's death On Sunday, Murder movie fame actress Mallika Sherawat shared a latest video on her official Instagram handle. In this video, Mallika has emphasized on no botox and filler policy. Which is being linked to the death of Shefali Jariwala somewhere. Mallika Sherawat has said that I have woken up in the morning and no makeup or filter of any kind has been used on my face. Say no to botox and fillers. In the pursuit of getting youth through these artificial processes, you are playing with your health. You can also get your natural beauty through healthy eating, exercise, early sleep and hydration. In this way, Mallika Sherawat has in a way advised women to stay away from artificial cosmetic surgery and told that it can prove fatal for your health. Let us tell you that not only Shefali Jariwala, but many celebrities have also died suddenly in this way in the past. Anti-aging treatment became fatal It is being told that Shefali Jariwala was undergoing anti-aging treatment for the last 5 years. For which she had to take pills and injections. It is being claimed in media reports that somewhere this treatment of hers became the cause of her death. Shefali died due to cardiac arrest on 27 June, which has shocked and disappointed everyone.

